dailyhunt

हिन्दुस्थान समाचार
588k Followers

भारत में अपने को महफूज मान रहे अफगानी छात्र फज्लुल्लाह सलीम

18 Aug 2021 . 3:05 PM

- भारत सरकार की छात्रवृत्ति से पढ़ाई में नहीं आ रहीं दिक्कतें
- मोदी सरकार की नीति से शिक्षा ग्रहण करने का मिला अवसर

कानपुर, 18 अगस्त (हि.स.)। अफगानिस्तान में तालिबान का एक बार फिर कब्जा हो गया है और दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे अफगानियों में चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं।

यहां कोविड से संबधित सभी नए अपडेट पढ़ें

ऐसे में कानपुर के सीएसए में शिक्षा ग्रहण कर रहे अफगानिस्तान के छात्र फज्लुल्लाह सलीम को भी चिंता होना लाजिमी है। हालांकि अभी उसका परिवार वहां पर सुरक्षित है और वह भारत में अपने को महफूज मान रहा है। उसका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुशल नीति से भारत में शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिला है और आगे भारत में ही रोजगार की तलाश भी होगी।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर में अफगानिस्तान के तीन छात्र अध्ययनरत हैं। वैश्विक महामारी कोरोना के चलते एमएससी वेजीटेबल के छात्र शम्स रहमान और बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र हमदर्द अफगानिस्तान चले गये थे और तब से वह वापस नहीं आये। इन दिनों सीएसए के इंटरनेशनल हॉस्टल में एमएससी एग्रोनॉमी के छात्र फज्लुल्लाह सलीम ही रह रहे हैं। फज्लुल्लाह ने बुधवार को हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर चिंता बयां की।

सलीम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पड़ोसी देशों से बेहतर संबंध रखते हैं और उनके निवासियों को भी शिक्षा के लिए प्रेरित करते हैं। उनकी कुशल नीति से मुझे भारत में शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिला। भारत सरकार से हमें बराबर छात्रवृत्ति मिल रही है और शिक्षा ग्रहण करने में कोई परेशानी नहीं हो रही है। प्रधानमंत्री की इस नीति को लेकर बहुत-बहुत धन्यवाद।

अफगानिस्तानी छात्र से जब पूछा गया कि भारत से शिक्षा ग्रहण करने के बाद अफगानिस्तान वापस जाएंगे। इस पर उसने कहा कि अभी तो मैं शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं। शिक्षा ग्रहण करने के बाद इस पर विचार किया जाएगा, लेकिन अफगानिस्तान के हालात को देखते हुए भारत में ही रोजगार की तलाश करना प्राथमिकता होगी। अफगानिस्तान के बहुत से लोग यहां पर रोजगार कर रहे हैं।

पिता ने भारत में रहने की दी सलाह

सलीम से जब पूछा गया कि परिजनों से बातचीत हुई है तो उसने बताया कि हां, माता-पिता से बातचीत हुई है। पिता ने कहा है कि हम लोग यहां (अफगानिस्तान) सुरक्षित हैं और आप भारत में ही रहना। यहां के हालात ठीक नहीं हैं वहीं पर रहना बेहतर होगा। पिता बार-बार भारत में ही रहने की सलाह दे रहे हैं। काबुल से 31 किमी की दूरी पर मेरा परिवार रहता है और आस-पास वर्तमान में तालिबानियों का हर जगह पर कब्जा हो चुका है।

कभी यह अहसास ही नहीं हुआ कि हम परिवार से दूर हैं

सलीम ने विश्वविद्यालय के संदर्भ में कहा कि यहां का माहौल बहुत अच्छा है। यहां पर लगभग दो साल के दौरान कभी यह अहसास ही नहीं हुआ कि हम परिवार से दूर हैं। यहां के कुलपति डॉ. डीआर सिंह और एमएससी एग्रोनॉमी के एचओडी डॉ.आरपी सिंह बराबर इंटरनेशनल हॉस्टल आते रहते हैं और हालचाल लेते रहते हैं। अगर कभी तबीयत भी खराब हो जाती है तो परिवार के सदस्य की तरह एचओडी सर देखभाल करते हैं।

सुरक्षित है तीनों छात्रों का परिवार

एग्रोनॉमी विभाग के एचओडी डॉ.आरपी सिंह ने बताया कि यहां पर अफगानिस्तान के तीन छात्र हैं। एक छात्र फज्लुल्लाह सलीम वर्तमान में इंटरनेशनल हॉस्टल में रह रहा है। उसकी कल सुबह अपने परिवार से बाचतीत हुई है और परिवारवालों ने बताया कि हम लोग यहां पर सुरक्षित हैं। दूसरा छात्र हमदर्द रूस के बार्डर का रहने वाला है, उससे हमारी बातचीत हुई है और बताया कि यहां सब ठीक-ठाक है। तीसरा छात्र शम्स रहमान काबुल का रहने वाला है उससे भी बातचीत हुई है। छात्रों के मुताबिक अबकी बार तालिबानी लिबरल हैं और बाजार भी खुल रहे हैं।

हिन्दुस्थान समाचार/मो.महमूद/पवन

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
वर्ष : 6, अंक : 134 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, बुधवार
18 अगस्त, 2021
मूल्य ₹ 3.00
www.shashwattimes.com

समस्याओं का त्वरित किया जाए निस्तारण: केशव...6

सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा सुपर फूड पर प्रशिक्षण - कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह

शाश्वत टाइम्स कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर तथा कुलपति डॉ डीआर सिंह के निर्देशन में दो दिवसीय मिशन के रूप में सुपरफूड पर एक साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ। कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि हम भले ही अच्छी डाइट लेते हैं लेकिन फिर भी वह अपर्याप्त होती है सुपरफूड इस कमी को पूरा करते हैं।उन्होंने कहा कि सुपर फूड पोषण से भरे हेल्थ सप्लीमेंट की तरह होते हैं। डॉ सिंह ने बताया कि सुपर फूड में हमें विटामिन, मिनरल एवं अन्य पोषक तत्वों के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवेनिएड जैसे अतिरिक्त पोषण से भरे तत्व होते हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार,कोदों,काकुन, रागी आदि को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए।निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों (13) के द्वारा 230 पुरुष, 374 महिलाएं कुल 604 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के अलावा समूहों के सक्रिय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

Sign in to edit and save changes to this file.

जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, बुधवार, 18 अगस्त, 2021, वर्ष : 12, अंक : 301, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

www.janexpresslive.com/epaper

एलीसिन से भरपूर होने के कारण लहसुन बढ़ाता है प्रतिरोधक क्षमता

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर तथा कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह के निर्देशन में दो दिवसीय मिशन के रूप में सुपरफूड पर एक साथ प्रशिक्षण हुआ। इस अवसर पर कुलपति डॉ.डी.आर. सिंह ने बताया कि हम भले ही अच्छी डाइट लेते हैं लेकिन फिर भी वह अपर्याप्त होती है सुपरफूड पोषण से भरे हेल्थ सप्लीमेंट की तरह होते हैं जो इस कमी को पूरा करते हैं। उन्होंने कहा कि सुपर फूड में हमें विटामिन, मिनरल एवं अन्य पोषक तत्वों के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवेनिएड जैसे अतिरिक्त पोषण से भरे तत्व प्राप्त होते हैं जो हमारे मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाकर अन्य समस्याओं को कम करते हैं। उन्होंने बताया कि ओट्स मे वीटा ग्लूकॉन्स पाया जाता है।जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है वही लहसुन एलीसिन से भरपूर है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 13 कृषि विज्ञान केंद्रो के द्वारा 230 पुरुष, 374 महिलाएं कुल 604 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के अलावा समूहों के सक्रिय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

वर्ष 15 अंक 225 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 18 अगस्त 2021
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....

सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा सुपर फूड पर प्रशिक्षण का समापन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा प्रदेश के ओजस्वी माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की पहल पर तथा कुलपति डॉ डीआर सिंह के निर्देशन में दो दिवसीय मिशन के रूप में सुपरफूड पर एक साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ। कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि हम भले ही अच्छी डाइट लेते हैं लेकिन फिर भी वह अपर्याप्त होती है सुपरफूड इस कमी को पूरा करते हैं।उन्होंने कहा कि सुपर फूड पोषण से भरे हेल्थ सप्लीमेंट की तरह होते हैं। डॉ सिंह ने बताया कि सुपर फूड में हमें विटामिन, मिनरल एवं अन्य पोषक तत्वों के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवेनिएड जैसे अतिरिक्त पोषण से भरे तत्व होते हैं।सुपरफूड हमारे मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाकर अन्य समस्याओं को कम करते हैं उन्होंने बताया कि ओट्स मैं वीटा ग्लूकॉन्स पाया जाता है।जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के लिए प्रमाणित है वही लहसुन एलीसिन से भरपूर है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है उन्होंने बताया कि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार,कोदों,काकुन, रागी आदि को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए।निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों (13) के द्वारा 230 पुरुष, 374 महिलाएं कुल 604 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के अलावा समूहों के सक्रिय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

News Expert
12 घंटे · Facebook for Android ·

सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा सुपर फूड पर प्रशिक्षण - कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा प्रदेश के ओजस्वी माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की पहल पर तथा कुलपति डॉ डीआर सिंह के निर्देशन में दो दिवसीय मिशन के रूप में सुपरफूड पर एक साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ। कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि हम भले ही अच्छी डाइट लेते हैं लेकिन फिर भी वह अपर्याप्त होती है सुपरफूड इस कमी को पूरा करते हैं।उन्होंने कहा कि सुपर फूड पोषण से भरे हेल्थ सप्लीमेंट की तरह होते हैं। डॉ सिंह ने बताया कि सुपर फूड में हमें विटामिन, मिनरल एवं अन्य पोषक तत्वों के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवेनिएड जैसे अतिरिक्त पोषण से भरे तत्व होते हैं।सुपरफूड हमारे मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाकर अन्य समस्याओं को कम करते हैं उन्होंने बताया कि ओट्स मैं वीटा ग्लूकॉन्स पाया जाता है।जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के लिए प्रमाणित है वही लहसुन एलीसिन से भरपूर है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है उन्होंने बताया कि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार,कोदों,काकुन, रागी आदि को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए।निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों (13) के द्वारा 230 पुरुष, 374 महिलाएं कुल 604 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के अलावा समूहों के सक्रिय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है। (डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 6, अंक : 134 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, बुधवार
18 अगस्त, 2021
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

समस्याओं का त्वरित किया जाय निस्तारण: केशव...6

सीएससी में मनाया गया 75 वें स्वतंत्रता दिवस

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि औद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह द्वारा 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर अमर शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। जिसके बाद ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया।

News Expert
12 घंटे · Facebook for Android ·

आठ दिवसीय प्रशिक्षण में हुए व्याख्यान
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में कास्ट एन सी परियोजना के अंतर्गत *पोषण फसलों की गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन की नवीन दृष्टिकोण* विषय पर चल रहे 8 दिवसीय राष्ट्रीय आभासीय प्रशिक्षण में आम्रपाली के. अखारे, प्रोफेसर पीडीकेवी अकोला महाराष्ट्र ने डीएनए आधारित मारकर और गुणवत्ता बीज उत्पादन में उनके अनुप्रयोग पर अपना विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बुनियादी जानकारी से लेकर डीएनए आधारित मारकर तकनीक के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। भारतीय कृषि शोध संस्थान नई दिल्ली के डॉक्टर एसएन सिन्हा सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक और डॉक्टर एस के चक्रवर्ती प्रधान वैज्ञानिक ने संग्रहित बीज के प्रबंधन में नवीन दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान दिया।डॉक्टर सिन्हा ने बताया कि यूपी में बीज भंडारण के दौरान 18.3% कीटों के प्रकोप से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। जबकि हरियाणा में केवल 13% स्टॉक कीट मुक्त पाए गए हैं फसल कटाई के बाद होने वाले कुल नुकसान में से कीट के कारण भंडारण के दौरान चौराहा 54% हानि होती है। उन्होंने पारंपरिक और नवीन तरीकों का उपयोग करके भंडारण के दौरान कीटों को नियंत्रित करने के तरीकों पर चर्चा की। डॉ शशांक मौर्य पूर्व एडीजी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली में बौद्धिक संपदा अधिकार और फसल सुधार में उनकी प्रासंगिकता विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।उन्होंने भारतीय बीज व्यापार, बीज गुणवत्ता प्रवर्तन, डी यू एस परीक्षण दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने, एक वैधानिक किस्म परीक्षण प्रणाली के तत्व किसान केंद्रीय बीज व्यापार उपक्रमों की सुविधा एक बड़ी चुनौती बीज विधेयक के विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात केंद्रित की। डॉ अनूप चंद्र वैज्ञानिक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर में पोषक फसलों के कीट प्रबंधन विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने मानव आहार में दालों के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि दलहनी फसलों में बीज उत्पादन से लेकर भंडारण तक कई प्रकार के कीड़ों का प्रकोप होता है हाल के दिनों में दलहनी फसलों हेतु कई नवीन की प्रबंधन प्रणाली को अपनाया गया है। प्रशिक्षण के कोर्स डायरेक्टर डॉ सी एल मौर्या ने बताया कि जिस प्रकार अन्य क्षेत्रों में नित नए नए नवाचार हो रहे हैं। उसी प्रकार बीज के क्षेत्र में भी डिजिटल क्रांति आ रही है जिससे आने वाली पीढ़ी को इस प्रकार के प्रशिक्षण माध्यम से रूबरू किया जाना आवश्यक है ताकि नई पीढ़ी आने वाले जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सके। कार्यक्रम का संचालन एवं विशेषज्ञों को धन्यवाद ज्ञापन डॉ सीएल मौर्या के द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में विनय कुमार, श्री पारस कुशवाहा, श्री राजकुमार, श्री सुबोध इत्यादि उपस्थित रहे। (डॉक्टर खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

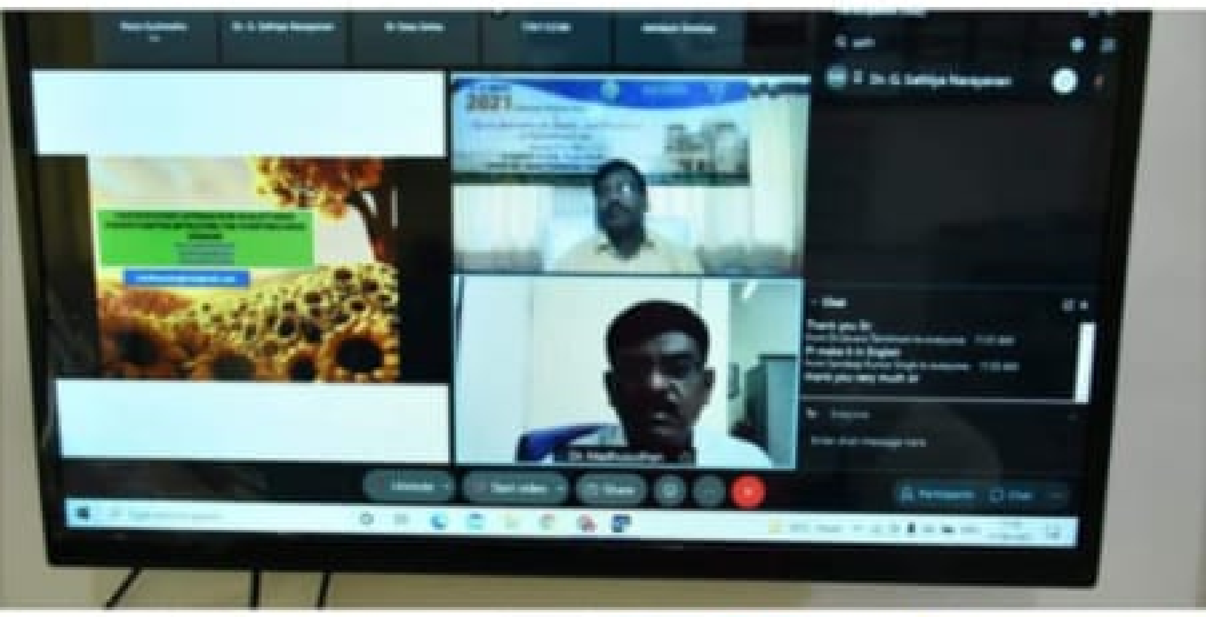

611c05c48351911.pdf

हेल्दी डाइट में शामिल करें सुपर फूड पोषण तत्व

कानपुर, 17 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल व कुलपति डॉ डीआर सिंह के निर्देशन में दो दिवसीय मिशन के रूप में सुपर फूड पर एक साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ। कुलपति डा डीआर सिंह ने बताया कि हम भले ही अज्छी डाइट लेते हैं लेकिन फिर भी वह अपर्याप्त होती है। सुपर फूड इस कमी को पूरा करते हैं।उ न्होंने कहा कि सुपर फूड पोषण से भरे हेल्थ सप्लीमेंट की तरह होते हैं। डॉ सिंह ने बताया कि सुपर फूड में हमें विटामिन, मिनरल एवं अन्य पोषक तत्वों के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवेनिएड जैसे अतिरिक्त पोषण से भरे तत्व होते हैं। सुपरफूड हमारे मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाकर अन्य समस्याओं को कम करते हैं उन्होंने बताया कि ओट्स मैं वीटा ग्लूकॉन्स पाया जाता है।जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के लिए प्रमाणित है वही लहसुन एलीसिन से भरपूर है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है उन्होंने बताया कि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार,कोदों, काकुन, रागी आदि को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए। निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों (13) के द्वारा 230 पुरुष, 374 महिलाएं कुल 604 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के अलावा समूहों के सक्रिय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।